भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. †4271
सोमवार, 27 मार्च, 2023/6 चैत्र, 1945 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

महामारी के पश्चात् हिमाचल प्रदेश को वित्तीय सहायता

†4271. श्रीमती प्रतिभा सिंहः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने कोविड-19 महामारी के पश्चात् हिमाचल प्रदेश में पर्यटन क्षेत्र और पर्यटन अवसंरचना को बढ़ावा देने के लिए हिमाचल प्रदेश सरकार को पर्याप्त वित्तीय सहायता प्रदान की है;

(ख) यदि हां, तो आवंटित धनराशि का योजना-वार ब्यौरा क्या है और राज्य में पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए क्या पहल की गई है;

(ग) गत तीन वर्षों के दौरान राज्य सरकार के परामर्श से स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है; और

(घ) गत तीन वर्षों के दौरान हिमाचल प्रदेश में सृजित रोजगार के अवसरों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ग): पर्यटन मंत्रालय वर्तमान में जारी अपनी योजनाओं के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश की राज्य सरकार सहित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्रों को कोविड-19 के बाद भी वित्तीय सहायता दे रहा है।

पर्यटन मंत्रालय ने वर्ष 2016-17 में 'हिमालयन परिपथ का विकास: कियारीघाट, शिमला, हटकोटी, मनाली, कांगड़ा, धर्मशाला, बीर, पालमपुर, चम्बा' परियोजना को 68.34 करोड़ रु. की लागत से स्वीकृति दी है जिसमें से 64.55 करोड़ रु. जारी किए गए हैं।

आतिथ्य सहित घरेलू संवर्धन और प्रचार (डीपीपीएच) योजना के तहत मेलों/महोत्सवों तथा पर्यटन सम्बन्धी समारोहों के आयोजन के लिए भी हिमाचल प्रदेश की राज्य सरकार को वित्तीय सहायता दी गई है जिसका ब्यौरा निम्नानुसार है:-

- अंतर्राष्ट्रीय कुल्लू दशहरा महोत्सव (वित्तीय वर्ष 2017-18) - 25.00 लाख रु.
- अंतर्राष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव (वित्तीय वर्ष 2018-19) - 25.00 लाख रु.

- अंतर्राष्ट्रीय कुल्लू दशहरा महोत्सव (वित्तीय वर्ष 2019-20) - 25.00 लाख रु.
- शिवरात्रि महोत्सव (वित्तीय वर्ष 2019-20) - 25.00 लाख रु.
- अंतर्राष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव (वित्तीय वर्ष 2021-22) - 25.00 लाख रु.
- अंतर्राष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव (वित्तीय वर्ष 2022-23) - 25.00 लाख रु.
- अंतर्राष्ट्रीय कुल्लू दशहरा महोत्सव (वित्तीय वर्ष 2022-23) - 25.00 लाख रु.

इसके अतिरिक्त पर्यटन मंत्रालय हिमाचल प्रदेश राज्य के पर्यटन गंतव्यों सहित भारत का संवर्धन समग्र रूप से करता है। पर्यटन मंत्रालय देश के विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों के संवर्धन के लिए ''अतुल्य भारत'' ब्रांड-लाइन के तहत महत्वपूर्ण और सम्भावित विदेशी बाजारों में तथा देश के भीतर मीडिया अभियान जारी करता है। हिमाचल प्रदेश के पर्यटन गंतव्यों का संवर्धन मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट- www.incredibleindia.org तथा मंत्रालय के सोशल मीडिया हैंडल्स के माध्यम से भी किया जाता है।

(घ): पिछले तीन वर्षों में राज्य-वार सृजित रोजगार अवसरों के लिए कोई औपचारिक अध्ययन नहीं किया गया है। तथापि तीसरे पर्यटन सैटेलाइट अकाउंट के आधार पर लगाए गए अनुमान के अनुसार वर्ष 2017-18, 2018-19, 2019-20 और 2020-21 के लिए देश के कुल रोजगार में पर्यटन का योगदान इस प्रकार है:-

	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21
रोजगार में हिस्सा (% में)	14.78	14.87	13.50	12.91
प्रत्यक्ष (%)	6.44	6.48	5.89	5.63
अप्रत्यक्ष (%)	8.33	8.38	7.61	7.28
पर्यटन के कारण प्रत्यक्ष +अप्रत्यक्ष नौकरियाँ (मिलियन में)	72.69	75.85	69.44	68.07

स्रोत: उपरोक्त अनुमानों को तीसरे टीएसए तथा नेशनल अकाउंट्स स्टैटिस्टिक्स 2022 का प्रयोग करके अद्यतन किया गया है।

****